



Cadaver Organ Donor Hirenkumar Jayantibhai Gohil



Young mason's organs give new lease of life to three

Times News Network

Surat: A 23-year-old mason from the city has become a saviour for three ailing patients as his organs were donated to them after he was declared brain-dead here on Saturday.

Hiren Jayanti Gohil, a resident of Hastinapur Society at L.H. Road in Varachha, had gone on his daily routine work at the construction site on airport road at Magdalla on February 25. He was laying bricks at the



site when he fell down from the height of 35 feet.

Gohil sustained serious head and body injuries and was shifted to a private hospital at Athwalines. Dr. Di-

vyang Bhatt diagnosed the patient to be suffering from severe brain haemorrhage. Neurosurgeon Dr. Has-mukh Sojitra and neurophysician Dr. Paresh Jhan-mera, after several tests, declared Hiren brain-dead.

The youth's parents and family members were advised to go for cadaver organ donation. Family members were explained how organ donation helps save lives. After detailed discussion, they agreed to donate his organs.

His two kidneys, a liver and eyes were donated. The kidneys were transplanted in 50-year-old P. K. Srivastava in Lucknow and 31-year-old Tejal Navin Parmar, a resident of Surat. The liver was transplanted in 49-year-old Girish Pujara, a resident of Ahmedabad.

The transplants were done by a team led by Dr. Jamal Rizvi and Dr. Pranjal Modi of Ahmedabad-based Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC).

બ્રેઈનડેડ યુવાનના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન-રોશની મળી

એમઆર એરપોર્ટ ખાસે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોથી પરચાયેલા કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

ગુર્જર ક્ષત્રિય કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો

નવી બેંપાલો ખાસે લિવર પુરુષ, પુષ્કરજીવન અને કીડની દાનના વધારામાં લેઈ લેવામાં આવેલા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

એમઆર એરપોર્ટ ખાસે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોથી પરચાયેલા કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો. હિરેનના કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.



વરરાજાના બ્રેઈનડેડ યુવાનની કીડની અને લીવરના દાનથી ત્રણને નવજીવન!

એરપોર્ટ સામેની ખિલ્ડો ગમાં ટાઇલ્સ લગાવતી ઘણતે ૩૫ ફૂટની ઊંચાઈથી પટકાચેલા હિરેન ગોહિલના માથામાં ગંભીર ઇજા થઈ હતી. ખાનગી હોસ્પિટલમાં છેલ્લે ૨૬ કલાક સ્વચ્છતા સાંભળી દાન કરી સમાજને નવો રીલો ચાલ્યો

કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો. હિરેનના કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

એમઆર એરપોર્ટ ખાસે નવી બેંપાલો કિલિયમ્બોથી પરચાયેલા કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો. હિરેનના કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

કુટિયા સમાજના ૨૩ વર્ષના યુવાન હિરેન ગોહિલના પરિવારે અંગદાનનો નિર્ણય લઈ સમાજને રાહ ચીંધ્યો. હિરેનના કીડની, લીવર અને મનુષ્ય દાનથી ત્રણ વ્યક્તિઓને નવ જીવન અને અંગદાન કરતા વરરાજાના પુત્રાને બ્રેઈનડેડ જીવન કારણ બાદ તેની બે વ્યક્તિઓને નવી રોશની મળી હતી.

वरुडाणा गोलिल परिवारे पुत्रना मृत्यु बाद किडनी, लिवर दान आपी मानवता भेडकावी

सुरत, ता.२३ : उप कुट परिवारो जमीन पर परतलयेवा डीया काम करता वराखता रज लपनि युवानना अमेरिका अडरे करावामा आचता परिवारजनो छात्र ये डीलीयाने सेड को डीलीयाने आपी तउ एक फ्रान्कोने मनजवन मानवता सजगत नगी छे. म.३।१३ : अमेरिका मानवता सजगत नेड भातेनी अरुतीनापुर सोसायटीमा रहेता विरिन गोडिल अरुपोटै नखड वेपार बरि रोडी बिडींगमा काम करी रखी हतो. त्यारे अजानत वेवेन्स नुगावता उप कुट उपरवा नीचे पडता मानवता आनी गोडीर डेल पदोनी करी. विरिन वता सजगत नगी सारे स

डीया काम करणे करी. भातानां गोडीर उख भाड रीडी रोन्गनां घेरुन हेमेरेख वेपारोत मगावता बया ए आरुप्यां उख परी लोवाने मिकान आवार मारणुं करुं. ए लो म नी प छे डे, डेनेट वापीर कस्ता डाडा अन्पाड तुपीमां १.२१ डी.जे. ४५ घोर, ३१ पेन्डीवाड, ३ दहप, १.१६ बडुभीनुं हान वेपारीने उख अमेरिका नगरजवन आने नवी दावापी अजानत सजगत भवी छे. अजे एडोपनीय छे डे, मृत्यु आरु हरीरनां बांगोनुं दान करवावी उरुवेपार भेदावां अजानत नवी प्रसार देवप छे. त्यारे डेनेट वापीर उरुप मानवता जालिनव सारे देव कार्य करी रखी छे.

गोडिल परिवारे अमेरिका डेड युवानना अंगोनुं दान करी मानवता भेडकावी

सुरत, ता.२३ : उख कुट परिवारो जमीन पर परतलयेवा डीया काम करता वराखता रज लपनि युवानना अमेरिका अडरे करावामा आचता परिवारजनो छात्र ये डीलीयाने सेड को डीलीयाने आपी तउ एक फ्रान्कोने मनजवन मानवता सजगत नगी छे. म.३।१३ : अमेरिका मानवता सजगत नेड भातेनी अरुतीनापुर सोसायटीमा रहेता विरिन गोडिल अरुपोटै नखड वेपार बरि रोडी बिडींगमा काम करी रखी हतो. त्यारे अजानत वेवेन्स नुगावता उप कुट उपरवा नीचे पडता मानवता आनी गोडीर डेल पदोनी करी. विरिन वता सजगत नगी सारे स

डीया काम करणे करी. भातानां गोडीर उख भाड रीडी रोन्गनां घेरुन हेमेरेख वेपारोत मगावता बया ए आरुप्यां उख परी लोवाने मिकान आवार मारणुं करुं. ए लो म नी प छे डे, डेनेट वापीर कस्ता डाडा अन्पाड तुपीमां १.२१ डी.जे. ४५ घोर, ३१ पेन्डीवाड, ३ दहप, १.१६ बडुभीनुं हान वेपारीने उख अमेरिका नगरजवन आने नवी दावापी अजानत सजगत भवी छे. अजे एडोपनीय छे डे, मृत्यु आरु हरीरनां बांगोनुं दान करवावी उरुवेपार भेदावां अजानत नवी प्रसार देवप छे. त्यारे डेनेट वापीर उरुप मानवता जालिनव सारे देव कार्य करी रखी छे.

नवी राह

गुर्जर क्षत्रिय कडिया समाजना ड्रेनडेड युवाकना अंगदाना छानथी त्रास व्यक्तिते नपशुपन अने डेले नवी द्रष्टि भागी

ड्रेनडेड युवकना अंगदानथी उने नपशुपन मळयुं

L.H. रोडना युवकनुं कडियाकाम करती वेणा पटकातां ड्रेथन डेमरेजथी मोत आह अंगदान करायुं

डेवशिंदरकुण
गुर्जर क्षत्रिय समाजना वंमे हनुमान रोडना येड युवान ड्रेनडेड आडेर थतां तेना परिवाररुणेने अंगदान घन करती वेनेड वार्डि संस्था थकी अंगदाने त्रस व्यक्तिते द्रष्टि भागी करायी नपशुपन मळयुं. ती आनवी डे व्यक्तिते द्रष्टि भागी छली.

छमे हनुमान रोडनी हस्तीनापुर सोसायटी आते रवेळीं शिरेन रुग्णीवार्डि गोखिल (23) मल गुरुवारना रोड अडियाकाम करतीं

पटकाती पडतां माडव्यां गंभीर छेळ थतां मेमान वधी गया छतां. तेने डेर हॉस्पिटल आते अंगदानां आयीं छती. त्यां ड्रेथन डेमरेज थोचानु निदान थयुं छतुं. शुक्रवार ड्रेनडेड आडेर थतीं छती. आ संगेनी थान थतां ड्रेनडेड वार्डिना नीवेद्य मांडवेवाद्याने पत्तोथी रड्डी परिवाररुणेने अंगदाननुं मळन नपशुपनुं छतुं. तेथी परिवाररुणेने संवदाननी संमति आयीं छती. अंगदानादनी आडिथीवार्डिना लशोमनी वंमे आयीं डे डिडनी अने

डीवरनुदान स्वीकार्युं छतुं. तो वचुनु दान वीकडि थुमेडे स्वीकार्युं छतुं. अने डिडनी पीडी येड डिनर प्रवेश थपनीना पी.के. श्रीवासव (50) थोड डिडनी सुरतनी तेरुव नवीनवार्डि परमार शिरोनी तो डीवर नपशुपनादना गीरीशवार्डि गुंजय (25)नां द्रष्टिभागीन करवामां आयुं छतुं.

घडेरना अंगदान आटे दिनप्रतिदिन अवेरलेस आयीं रडी छे. डे शत्रुस्थितमदीं आठे आषामुं दिव्ख साभित डीं रडी छे.



अंगदान करनार वरळा वंमे हनुमान रोडना युवक शिरेन रुग्णीवार्डि येरिले.

अंगदान से तीन को नई जिंदगी

दो को रोशनी मिली

सुस्त हादसे में घायल होने के बाद ड्रेनडेड घोषित वरळा के युवक के परिजनो ने उसके अंगों का दान कर तीन व्यक्तियों को नई जिंदगी और ये जने को रोशनी दी है।

वरळा लंबे हनुमान रोड स्थित हस्तीनापुर सोसायटी निवासी शिरेन जयंती गोखिल (23) की शुक्रवार शाम ड्रमस रोड स्थित एक निर्माणश्र्थेन इमारत में टाइल्स लगवते वकत कंधाई से गिरने से संभर रूप से घायल हो गया था। उसे निचे अस्पताल में भर्त करि जाने के बाद चिकित्सकों ने उसे ड्रेन डेड घोषित कर दिया था। अस्पताल के चिकित्सकों की ओर से



ड्रेनडेड लड्डफ के प्रमुख मिलेश मांडलेवाला को इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों के साथ मिलकर शिरेन के परिजनो को अंगदान के विषय में जानकारी दी। परिजन अंगदान के लिए तैयार हो गए। परिजनो की सहमति के बाद अहमदाबाद स्थित इन्स्टीट्यूट ऑफ किडनी डिस्सेज फंड रिसर्च सेंटर की टीम सूत पहुंची और दोनों किडनी

तथा लीवर का दान स्वीकार किया। वही लोकतुष्टि चयु कैक के डॉ प्रफुल्ल शिंग्या ने जखुदान स्वीकार किया। शिरेन की दोनों किडनियों में से एक किडनी लखनऊ निवासी पी.के.श्रीवासव और दूसरी सूत निवासी तेजल नवीन परमार में ट्रांसप्लांट की गई। लीवर अहमदाबाद के गिरिश पुजाव में ट्रांसप्लांट किया गया।

ब्रेनडेड हिरनभाई के अंगों का दान कर 3 लोगों को दिया नया जीवन और दो ने पायी नई रोशनी



सूरत। हिरन जयतिभाई गोहिल शाम 4 बजे एयरपोर्ट के सामने स्थित एक बिल्डिंग में टाइल्स लगाने का कार्य कर रहे थे। उसी समय अचानक ब्रेनडेड गंवाने से 35 फुट उंच से नीचे गिरने पर सिर में गंभीर चोट लगी और बेहोश हो गये। उन्हें तुरंत 108 एम्बुलेंस में शाम 5 बजे केवर हॉस्पिटल में डॉ. दिव्यांग भट्ट को उपचार अंतर्गत भर्ती किया गया था। सीटी स्कैन से ब्रेन हैमरेज का पता चला। 26 फरवरी 2016 को न्यूरोसर्जन डॉ. हसमुख सोनित्रा व न्यूरोफिजिओलॉजिस्ट डॉ. परेश झांझमेरा ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित कर दिया। डॉ. नीतिन मानाणी ने डॉनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला को संपर्क कर कांतिभाई के ब्रेनडेड की जानकारी दी।

डोनेट लाइफ के प्रमुख निलेश मांडलेवाला ने परिवारों का अंगदान का महत्व समझाया। हिरन की माता रंजनबेन, पिता जयतिभाई, बहन दीपिका और हेतल, जीजाजी कल्पेश और मांतेरा, भाई भाविक,

मामा रमणभाई, समाज के अग्रणी कांतिभाई गांगानी तथा परिवार के अन्य सदस्यों ने कहा कि जब हमारे स्वजन ब्रेनडेड हो चुका है तो शरीर जलकर खाक हो इससे अच्छा अंगों का दान करके किडनी व लीवर फेल्योर के रोगियों को नवजीवन मिलता है तो अंगदान के लिए आगे बढ़ें। जिनके पास से दो किडनी व लीवर का दान स्वीकार किया गया। जबकि दो चक्षुओं का दान लोक दृष्टि चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल्ल शिरोया ने स्वीकारा। दान में मिली दोनों किडनी में से किडनी उत्तर प्रदेश के लखनऊ के पी.के. श्रीवास्तव उ.व. 50 में, जबकि दूसरी किडनी सूरत की निवासी तेजल नवीनभाई परमार उ.व. 21 में ट्रांसप्लांट किया गया है। जबकि लीवर अहमदाबाद के गौरिशभाई पुजारा उ.व. 49 में ट्रांसप्लांट किया गया है। अब तक 141 किडनी, 45 लीवर, 3 पैक्रियास, 2 हृदय व 116 चक्षुओं का दान करके 307 लोगों को नया जीवन व नई रोशनी मिली है।